हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अंकों का पाठ्यक्रम और अध्यायवार विभाजन (2025-26)

कक्षा-9वीं विषय:पशुपालन कोड:021

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम केआधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 60 अंकों की होगी, प्रायोगिक परीक्षा 20 अंकों की होगीऔर आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक परीक्षा के लिए:
   - i) 6-6 अंकों के दो प्रयोग।
   - ii) 3 अंकों की एक गतिविधि।
   - iii) 2 अंकों कीप्रायोगिक पुस्तिका।
   - iv) 3 अंकों की मौखिक परीक्षा।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए:
   निम्नानुसारआवधिक मूल्यांकन होगा:
   - i) 6 अंकों के लिए- तीन SAT परीक्षा आयोजित की जाएगीजिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
   - ii) 2 अंकों के लिए- एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   - iii) 2 अंकों के लिए- विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकत्तम 02 अंक देंगे.
   - iv) 5 अंकों के लिए- छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगाजिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
   - v) 5 अंकों के लिए- विद्यर्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएगें:
     - 75% से 80% तक - 01 अंक
     - 80% से अधिकसे 85% तक - 02 अंक
     - 85% से अधिकसे 90% तक - 03 अंक
     - 90% से अधिकसे 95% तक - 04 अंक
     - 95% से अधिकसे 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2025-26)

कक्षा-9वीं **विषय:पशुपालन** **कोड:021**

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	पशुपालन का इतिहास एवं परिचय	06
2	पशुधन की महत्वपूर्ण नस्लें	08
3	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	08
4	स्वच्छ दूध-उत्पादन	06
5	पशुओं में प्रजनन प्रक्रिया	08
6	पशुओं के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थऔर उनका महत्व	08
7	मुर्गी पालन	08
8	पशु स्वास्थ्य	08
कुल		60
प्रायोगिक परीक्षा		20
आंतरिक मूल्यांकन		20
कुलयोग		**100**

अध्याय1: पशुपालन का इतिहास एवं परिचय

इकाई-1

पशुओं से संबंधित सामान्य शब्दावली: पशुपालन, पशुधन, नस्ल, प्रजातियाँ, मवेशी, गाय, बैल, बछड़ा, चारा, ब्रायलर, लेयरबर्ड, आवारा पशु, गर्भाधान, गर्भधारण, प्रसव, स्तनपान अवधि, शुष्क अवधि, ब्यांत-अंतराल, घास, साइलेज, सांद्र-मिश्रण, जुगाली करने वाले पशु, संतुलित राशन, पशुधन गणना, डेयरी पशुओं के आर्थिक लक्षण।

इकाई-2

पशुधन की आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक महत्ता: पशुओं कीआर्थिक महत्ता, व उनसे प्राप्त विभिन्न पदार्थों का तुलनात्मक अध्ययन, पशुओं की सामाजिक महत्ता: पशुओं का कृषि में योगदान, पशुओं काआहार में योगदान, रोजगार व शिक्षा के साधन के रूप में पशुओं का उपयोग, ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में पशुओं का योगदान। पशुधन की सांस्कृतिक महत्ता। हरियाणा में पशु विकास सम्बन्धी कार्यरत संस्थाएं राष्ट्रस्तर की पशु विकास सम्बधी संस्थाए, राज्यस्तर की पशु विकास सम्बन्धी संस्थाए व परियोजनाए।

इकाई-3

पशुपालन का इतिहास: प्राचीनकाल में प्रजनन एवं प्रबंध-सलिहोत्रा व उसके कार्य, चाणक्य, मैगस्थनीज, अन्यप्राचीनग्रंथ। मध्ययुगीनकाल। पशुओं को पालतू बनाना :कुत्ता, गोपशु, अश्व, भैंस, सूअर, ऊंट, भेड़ व बकरी, कुक्कुट। भारत में पशुपालन का पुनर्नोद्धार, राष्ट्रस्तर की पशु अनुसंधान संस्थाओं की स्थापना।

अध्याय 2: पशुधन की महत्वपूर्ण नस्लें

इकाई-1

गाय व भैंस उत्पादन: गाय व भैंस में उन्नयन कार्य।भारतीय गाय व भैंसों की नस्लों का वर्गीकरण। गाय व भैंसों की नस्लों का वर्णन।

इकाई-2

भेड़-बकरी उत्पादन: भेड़-उत्पादन, भेड़पालन के आर्कषण, भेड़ों में उन्नयन कार्य, भेड़ों का वर्गीकरणः क्षेत्र के आधार पर, ऊन के आधार पर भारतीय भेड़ों की नस्लों का वर्णन। बकरी उत्पादन: बकरी पालन के आर्कषण, बकरियों में उन्नयन कार्य, बकरियों का क्षेत्रीय वितरण, बकरियों की नस्लों का वर्णन।

इकाई-3

सूअर उत्पादन: सूअर पालन के आर्कषण, सूअरों की मुख्य नस्लें, सूअरों में उन्नयन कार्य।

इकाई-4

ऊंट उत्पादन: ऊंट पालने के आर्कषण, ऊंट उन्नयन कार्य

इकाई-5

अश्व उत्पादन: अश्व पालन के आर्कषण, अश्व उन्नयन कार्य व क्षेत्र वितरण, घोड़ों की नस्लों का वर्णन।

अध्याय 3: पशुधन उत्पादन प्रबंधन

इकाई-1

फार्म पर नियमित गतिविधयां: दैनिक कार्यक्रमों की समय सारिणी, दैनिक एवं वार्षिक कार्यक्रमों का कैलण्डर, भेड़-बकरी फार्म पर आवश्यक दैनिक कार्य, सूअर फार्म पर दैनिक आवश्यक कार्य, आर्थिक कार्यक्रमों का कैलेण्डर

इकाई-2

फार्म पर विशिष्ट गतिविधियाँ: पशुओं का काबू में करना, भेड नहलाना, ऊन कतरना, पशुओं को खुरेरा करना, बछड़ों का बधिया तथा सींग-हीन करना। पशुओं की पहचान: फार्म पशुओं को पहचान के लिए चिन्हित करना जैसे गाय और भैंस में टैगिंग और ब्रांडिंग; भेड़ और बकरी में टैटू और कान टैगिंग; सूअरों में कान काटना इत्यादि।

अध्याय 4: स्वच्छ दूध उत्पादन

दुग्ध उत्पादन: दूध दुहना, स्वच्छ दुग्ध-उत्पादन, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक, दूध दुहने से पहले और बाद में देखभाल और प्रबंधन, साफ और स्वच्छ पशु, दोहन के लिए पशु को तैयार करना, दूध दोहन की विधियां, दूध निकालने वाला, दूध के बर्तनों की सफाई, दूध निकालने के बाद क्या करें? खीस की आहार महत्ता, दुग्ध-अभिलेखन।

अध्याय 5: पशुओं में प्रजनन प्रक्रिया

इकाई-1

नर जननतंत्र: प्राथमिक जननांग, बाह्य जननांग।

इकाई-2

मादा जननांग: प्राथमिक जननांग, जनन मार्ग, बाह्या जननांग।

इकाई-3

प्रजनन चक्र: मदकाल व गर्भकाल पशुओं में मदाविष्ट अवस्था में मदचक्र, मद के लक्षण, गर्भित कराने का निश्चित समय, गर्भिणी पशुओं के लक्षण, पशुओं की गर्भ काल व ब्याने के समय देखभाल।

अध्याय 6: पशुओं के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थ और उनका महत्व

इकाई-1

पशु पोषण की मौलिक अवधारणा: पशुपोषण, पोषक तत्व, सांद्र मिश्रण और खनिज मिश्रण एवं जुगाली की परिभाषा, जुगाली करने वाले पशु, साधारण पेट वाले पशु, पशुओं में पोषण की प्रक्रिया, जुगाली करने वाले पशुओं औरकुक्कुट में पाचनतंत्र और पाचन प्रक्रिया, संतुलित राशन और पशुधन उत्पादन के लिए इस का महत्व।

इकाई-2

खाद्य पदार्थों का संगठन, वर्गीकरण एवं पोषक महत्व: खाद्य पदार्थों में पाए जाने वाले अवयव, पशु खाद्य पदार्थों का वर्गीकरण, हरे चारे उत्पादन हेतु शस्य योजनाएं। हरे चारे का परिरक्षण: 'साईलेज' व 'हे'।

अध्याय 7: मुर्गी पालन

हरियाणा में मुर्गीपालन की स्थिति, मुर्गीपालन के महत्त्व/ आर्कषण, भारत में मुर्गीपालन की मुख्य समस्याएं। अण्डा या मांस हेतु मुर्गी की विशेषताएं, चूजे कब खरीदें। मुर्गीपालन की विभिन्न नस्लें, मुर्गी-फार्म प्रबंधन, ब्रॉयलर और लेयर फार्मिंग के लिए सामान्य दिशा निर्देश।

अध्याय 8: पशु स्वास्थ्य

इकाई-1

सामान्य शारीरिक मापदंडों के साथ पशु के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन: तापमान, नाड़ीदर, श्वसनदर।

इकाई-2

पशुओं को औषधि देने की विभिन्न विधियां: बांस की नली द्वारा, अनिमा द्वारा, प्रलेप/ पुल्टिस द्वारा, चटनी, बफारा, गोलियां, सूई द्वारा, सेंकना, महलम, इमलशन।

इकाई-3

प्राथमिक चिकित्सा: चिकित्सा में प्रयुक्त दवाइयों की परिभाषा, पशु-चिकित्सा में कुछ साधारण दवाइयों के गुण, क्रिया एवं उपयोग। पशुओं की साधारण पीड़ा व उनका प्रारम्भिक उपचार।

प्रयोग:

1. बड़े जानवरों और कुक्कुट के शरीर के विभिन्न अंगों का परिचय
2. उपचार और टीकाकरण केलिए पशुओं को नियंत्रित करना
3. पशुओं के घाव की मरहम-पट्टी करनेऔर मुंह से दवा देने की विधि
4. पशुओं में गर्भावस्था निदान
5. दंत सूत्र की सहायता सेआयुनिर्धारण
6. जानवरों की पहचान के लिए विभिन्न तरीके
7. जानवरों का वजन, श्वसन दर और रूमेन संकुचन की रिकॉर्डिंग और शरीर के तापमान को रिकॉर्ड करने के लिए थर्मामीटर का उपयोग करना, भेड़ों में ऊन निकालना।
8. जुगाली करने वाले पशुओं में रक्त के नमूनों का संग्रह
9. पालतू जानवरों में रक्त के नमूनों का संग्रह

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2025-26)

कक्षा-9वीं **विषय:पशुपालन** **कोड:021**

माह	विषय-वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	**अध्याय1: पशुपालन का इतिहास एवं परिचय** **प्रयोग 1:** बड़े जानवरों और कुक्कुट के शरीर के विभिन्न अंगों का परिचय **प्रयोग 2:** उपचार और टीकाकरण के लिए पशुओं को नियंत्रित करना	15	03	 02 02
मई	**अध्याय 2: पशुधन की महत्वपूर्ण नस्लें** **प्रयोग 3:** पशुओं के घाव की मरहम-पट्टी करने और मुंह से दवा देने की विधि **प्रयोग 4:** पशुओं में गर्भावस्था निदान	15	03	 01 01
जून	ग्रीष्मकालीन अवकाश			
जुलाई	**अध्याय 3: पशुधन उत्पादन प्रबंधन** **अध्याय 4: स्वच्छ दूध उत्पादन** **प्रयोग 5:** दंत सूत्र की सहायता से आयु निर्धारण	**05** **10**	**01** **02**	 02
अगस्त	**अध्याय 5: पशुओं में प्रजनन प्रक्रिया**	15	03	

	प्रयोग 6: जानवरों की पहचान के लिए विभिन्न तरीके			03
सितंबर	अर्ध वार्षिक परीक्षा के लिए दोहराई अर्ध वार्षिक परीक्षा		12	
अक्तूबर	**अध्याय 6: पशुओं के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थ और उनका महत्व** **प्रयोग 7:** जानवरों का वजन, श्वसन दरऔर रूमेन संकुचन की रिकॉर्डिंग और शरीर के तापमान को रिकॉर्ड करने के लिए थर्मामीटर का उपयोग करना, भेड़ों में ऊन निकालना	15	04	03
नवंबर	**अध्याय 7: मुर्गी पालन** **अध्याय 8: पशु स्वास्थ्य** इकाई-1 सामान्य शारीरिक मापदंडों के साथ पशु के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन: तापमान, नाड़ीदर, श्वसनदर **प्रयोग 8:** जुगाली करने वाले पशुओं में रक्त के नमूनों का संग्रह	07 03	02 01	03
दिसंबर	**अध्याय 8: पशु स्वास्थ्य** इकाई-1 सामान्य शारीरिक मापदंडों के साथ पशु के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन: तापमान, नाड़ीदर, श्वसनदर।	04	01	

	इकाई-2 पशुओं को औषधि देने की विभिन्न विधियां: बांस की नली द्वारा, अनिमा द्वारा, प्रलेप/ पुल्टिस द्वारा, चटनी, बफारा, गोलियां, सूई द्वारा, सेंकना, महलम, इमलशन। इकाई-3 प्राथमिक चिकित्सा: चिकित्सा में प्रयुक्त दवाइयों की परिभाषा, पशु-चिकित्सा में कुछ साधारण दवाइयों के गुण, क्रिया एवं उपयोग। पशुओं की साधारण पीड़ा व उनका प्रारम्भिक उपचार। **प्रयोग 9:** पालतू जानवरों में रक्त के नमूनों का संग्रह	05 05	01 01	 02
जनवरी	दोहराई		12	
फ़रवरी	दोहराई वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा		10	
मार्च	वार्षिक परीक्षा			

नोट:

- विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में प्रयुक्त शब्दावली/परिभाषा शब्दों की नोटबुक तैयार करने का निर्देश दें।

प्रश्न पत्र प्रारूप (2025-26)

कक्षा-9वीं **विषय:पशुपालन** **कोड:021** **समय: 2:30 घंटे**

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	15	6 बहु-विकल्पीय प्रश्न, 3 रिक्त स्थानभरो प्रश्न, 3 एक शब्दीय उत्तर के प्रश्न, 3 अभिकथन-कारणप्रश्न	15
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न	2	6	किन्ही2 प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	12
लघुत्तरात्मक प्रश्न	3	6	किन्ही 2 प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	18
दीर्घउत्तरात्मक प्रश्न	5	3	सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	15
कुल		**30**		**60**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2025-26)

Class:9th Subject: Animal Husbandry Code: 021

General Instructions:

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.
2. The Annual Examination will be of 60 marks, Practical Examination will be of 20 marks and 20 marks weightage shall be for Internal Assessment.
3. For Practical Examination:

   i) Two experiments of 6 marks each.

   ii) One activity of 3 marks.

   iii) Practical record of 2 marks.

   iv) Viva-voce of 3 marks.

4. For Internal Assessment:

   There will be Periodic Assessment that would include:

   i) For 6 marks- Three SAT exams will be conducted and will havea weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.
   ii) For 2 marks- One half-yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.
   iii) For 2 marks- Subject teachers will assess and give maximum 02marks for CRP (Classroom participation).
   iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.
   v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

   75% to 80% - 01 marks
   Above 80% to 85% - 02 marks
   Above 85% to 90% - 03 marks
   Above 90% to 95% - 04 marks
   Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2025-26)

Class:9th **Subject: Animal Husbandry** **Code: 021**

Sr. no.	Chapter	Marks
1	History and introduction of animal husbandry	06
2	Important breeds of livestock	08
3	Livestock Production Management	08
4	Clean milk production	06
5	Reproductive process in animals	08
6	Various feedstuff and their importance for animals	08
7	Poultry farming	08
8	Animal Health	08
Total		60
Practical Examination		20
Internal assessment		20
Grand Total		**100**

Chapter 1: History and introduction of animal husbandry

Unit-I

General terminology related to animals: animal husbandry, livestock, breed, species, cattle, bull, calf, feed, broiler, layer bird, stray animal, conception, gestation, parturition, lactation period, dry period, calving-interval, hay, silage, Concentrate-mixtures, Ruminants, Balanced rations, Livestock census, Economic characteristics of dairy animals.

Unit-II

Economic, social and cultural importance of livestock: Economic importance of animals and comparative study of various products obtained from them, Social importance of animals: Contribution of animals in agriculture, contribution of animals as human food, animals as a means of employment and education. Use of animals as a source of energy. Cultural importance of livestock. National level animal development related institutions, state level animal development related institutions in Haryana.

Unit-III

History of Animal Husbandry: Breeding and management in ancient times-Salihotra and its works, Chanakya, Magasthenes, Medieval times and other ancient texts. Domestication of animals: dog, cattle, horse, buffalo, pig, camel, sheep and goat, poultry. Revival of animal husbandry in India, Establishment of national level animal research institutions.

Chapter 2: Important breeds of livestock

Unit-I

Cow and buffalo production: Upgradation work for cow and buffalo. Classification of Indian cow and buffalo breeds. Description of breeds of cows and buffaloes.

Unit-II

Sheep and Goat Production: Sheep production, attractions of sheep rearing, sheep upgrading work, classification of sheep breeds, description of Indian sheep breeds on the basis of area and on the basis of wool. Goat Production: Attractions of goat rearing, upgrading work in goats, regional distribution of goats, description of goat breeds.

Unit-III

Pig Production: Attractions of pig rearing, main breeds of pigs, improvement work in pigs.

Unit-IV

Camel Production: Attractions of camel rearing, camel upgradation work.

Unit-V

Horse production: Attractions of horse rearing, horse upgrading work and area distribution, description of horse breeds.

Chapter 3: Livestock Production Management

Unit-I

Regular Activities: Timetable of Daily farm-activities, Calendar of Daily and Annual activities, Routine work at Sheep-Goat Farm, Routine work at Pig Farm, Calendar of Economic Events.

Unit-II

Specific activities: restraining of animals, dipping sheep, shearing wool, hoofing animals, castration and dehorning of calves. Animal identification: Marking of farm animals for identification such as tagging and branding in cows and buffaloes; tattooing and ear tagging in sheep and goats; Ear notching in pigs etc.

Chapter 4: Clean milk production

Milk Production: Milking, Clean milk production, Factors affecting clean milk production, Care and management before and after milking, Clean and neat animals, Preparing the animal for milking, Methods of Milking, milking machine, cleaning milk utensils, what to do after milking? Dietary importance of colostrum for calves, Milk recording.

Chapter 5: Reproductive process in animals

Unit-I

Male reproductive system: primary genitalia, external genitalia.

Unit-II

Female genitalia: Primary genitalia, genital tract, external genitalia.

Unit-III

Reproductive cycle: Estrous period and gestation period, estrous cycle in animals, symptoms of estrous, Proper timings of insemination/ impregnation, characteristics of pregnant animals, care of animals during pregnancy and calving period.

Chapter 6: Various feedstuff and their importance for animals

Unit-I

Basic Concepts of Animal Nutrition: Animal Nutrition, Nutrients, Concentrates and Mineral Mixtures and Definition of Ruminants, Rumination, Monogastric/ simple stomach animals, Process of Nutrition in Animals, Digestive System and Digestion Process in Ruminants and Poultry. Balanced ration and its importance for livestock production.

Unit-II

Organization, classification and nutritional value of feedstuffs: feed ingredients, classification of animal feeds, cropping plans for round the

year green fodder production. Preservation of green fodder: Silage and Hay.

Chapter 7: Poultry farming

Status of poultry farming in Haryana, importance/attraction of poultry farming, main problems of poultry farming in India. Characteristics of chickens for eggs or meat production, when to buy chicks? Various breeds of poultry, general guidelines for broiler and layer poultry farm management.

Chapter 8: Animal Health

Unit-I

Assessment of health status of the animal with normal physiological parameters: temperature, pulse rate, respiratory rate.

Unit-II

Various methods of giving medicines to animals: by drenching, by enema, by poultice, chutney, decoction, bolus/ tablets, injection, fomentation, ointment, emulsion.

Unit-III

First Aid: Definition of medicines used in medicine, properties, action and uses of some common medicines in veterinary medicine. Common painful conditions in animals and their first-aid.

Practical:

1. Acquaintance with different body parts of large animals and Poultry
2. Restraining of animals for treatment and vaccination
3. Method of drenching in livestock animals and Application of medicine/ ointment on wounds
4. Pregnancy diagnosis in animals

5. Age determination with the help of dentition
6. Different methods for identification of animals.
7. Weighing of animals, recording of respiration rate and rumen movement and use of thermometer for recording body temperature, shearing in sheep.
8. Collection of blood samples in ruminant animals
9. Collection of blood samples in pet animals

Month wise Syllabus Teaching Plan (2025-26)

Class:9th **Subject: Animal Husbandry** **Code: 021**

Month	Unit chapter and Topic	Teaching Periods	Revision Periods	Practical work
April	**Chapter 1: History and introduction of animal husbandry** **Practical 1:** Acquaintance with different body parts of large animals and Poultry **Practical 2.** Restraining of animals for treatment and vaccination	15	03	02 02
May	**Chapter 2: Important breeds of livestock** **Practical 3:** Method of drenching in livestock animals and Application of medicine/ ointment on wounds **Practical 4.** Pregnancy diagnosis in animals	15	03	01 01
June	Summer vacation			
July	**Chapter 3: Livestock Production Management**	05	01	

	Chapter 4: Clean milk production **Practical 5:** Age determination with the help of dentition	10	02	02
August	**Chapter 5: Reproductive process in animals** **Practical 6:** Different methods for identification of animals.	15	03	03
September	Revision for Half-Yearly Exam Half-yearly exam		12	
October	**Chapter 6: Various feedstuff and their importance for animals** **Practical 7:** Weighing of animals, recording of respiration rate and rumen movement and use of thermometer for recording body temperature, shearing in sheep.	15	04	03
November	**Chapter 7: Poultry farming** **Chapter 8: Animal Health** **Unit-I** Assessment of health status	07 03	02 01	

	of the animal with normal physiological parameters: temperature, pulse rate, respiratory rate. **Practical 8:** Collection of blood samples in ruminant animals			03
December	**Chapter 8: Animal Health** **Unit-II** Various methods of giving medicines to animals: by drenching, by enema, by poultice, chutney, decoction, bolus/ tablets, injection, fomentation, ointment, emulsion. **Unit-III** First Aid: Definition of medicines used in medicine, properties, action and uses of some common medicines in veterinary medicine. Common painful conditions in animals and their first-aid. **Practical 9:** Collection of blood samples in pet animals	06 06	01 01	02
January	Revision		12	

February	Revision Annual Practical Exam		10	
March	Annual Examination			

Note:

- **Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/ Definitional words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.**

Question Paper Design (2025-26)

Class:9th Subject: Animal Husbandry Code: 021 Time: 2:30hr

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective Questions	1	15	6 Multiple Choice Questions, 3 Fill in the Blanks Questions, 3 One Word Answer Type Questions, 3 Assertion-Reason Questions	15
Very Short Answer Type Question	2	6	Internal choice will be given in any 2 questions	12
Short answer Type Questions	3	6	Internal choice will be given in any 2 questions	18
Essay Answer type Question	5	3	Internal options will be given in all the questions	15
Total		**30**		**60**